बिहार कृषि विश्व विद्यालय सबौर भागलपुर, बिहार,

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्याः -62/2026 **दिनांकः 7 अगस्त, 2026**

भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, पूर्वानुमान अवधि 08–12 अगस्त के दौरान, आसमान में घने बादल छाए रहेंग एवं जिले मेंएक- दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ आंधी, चलने एवं मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 27-28 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85-90प्रतिशत तथा दोपहर में 60-65 प्रतिशत रहने की संभावना है। पूर्वानुमान अवधिमें 5-15 किमी/घंटा की गति से दक्षिणपूरबा हवा चलने का अनुमान है।

फसल	समसामियकसुझाव
धान	धान की रोपनी का कार्य यथाशीघ्र अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में ही पूरा कर लें, अन्यथा पैदावार में 15 से 20% की कमी हो सकती है। उपज की भरपाई के लिए, धान की रोपाई के लिए 18-25 दिन पुराने पौधों (नर्सरी) का उपयोग करें और पौधों के बीच की दूरी घटाकर 15×15 सेमी करें। धान की रोपाई के समय सामान्य से अधिक स्वस्थ पौधों का रोपण करें, ताकि पौधों की संख्या बनी रहे तथा नमी की कमी से होने वाले संभावित नुकसान की भरपाई हो सके।
मक्का	खरीफ मक्का की बुआईके 15-20 दिनों बाद निकौनी करें।मक्का में धनबाल निकलने के समय नत्रजन का उपरिवेशन करें।
बागवानी	आम के पौधों के रोपण का उपयुक्त समय है। कलमी पौधों की रोपाई 10×10 मीटर तथा बीजू पौधों की 12×12 मीटर दूरी पर करें। सघन बागवानी के लिए 5×5 मीटर तथा अम्रपाली के लिए 2.5×2.5 मीटर दूरी रखें। फलदार वृक्षों में प्रतिवर्ष 1 किलोग्राम नाइट्रोजन, 300 ग्राम फॉस्फोरस, 700 ग्राम पोटाश तथा 80-100 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद का प्रयोग करें।
पशुपालन	पशुओं मेंPPR, FMD (खुरपका-मुंहपका) एवं HS (गलघोंटू)रोगों का खतरा अधिक है, अतः पशुओं का समय पर टीकाकरण कराएं, उन्हें स्वच्छ एवं सूखा रखें तथा बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें। रोग के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें और पशुओं की अनावश्यक आवाजाही पर नियंत्रण रखें।